भजन

तर्ज– बाबुल का ये घर बहना

इश्क मेरे प्रीतम का,अनमोल खजाना है
जिसको यह दौलत मिली,हुआ जग से बेगाना है

1– प्यासे अरमान लिए,आए तेरी महफिल में
पीने वालों की मंजिल,ये नजरे मयखाना है

2– इश्के दौर चलता रहे,वक्त यूं ही कटता रहे
इन हंसी लम्हों में,खुद को भूल जाना है

3– लब पर हो खामोशियां,और हो तड़प दिल में
अश्कों में न बह निकले,प्यार दिल में छुपाना है

4– आप हबीब हुए,अपने बीमारों के
इश्के गम के मारों का,तेरा दर शफाखाना है

5– हर सहर से पहले शबे गम। आती है
दर्द ब्यां कर डाला,बन जाता फसाना है